

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल,
मध्यप्रदेश



राजभवन,
भोपाल
मध्यप्रदेश

राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी की कलम से.....

शिक्षा समाज का दर्पण है और विद्यार्थी उसका प्रतिबिम्ब। शिक्षा एक सांस्कृतिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य है, संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण करना।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राजमाता अहिल्या की पावन नगरी में स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर शैक्षणिक गुणवत्ता के उत्थान हेतु निरंतर प्रयासरत है। "धियो यो नः प्रचोदयात्" के बोध वाक्य के साथ, यह विश्वविद्यालय विस्तार, नवाचार, विविधीकरण के द्वारा शिक्षा के चहुँमुखी आयामों पर विकास हेतु संकल्पित है। शिक्षा एवं शोध के आपसी समन्वय से, यह विश्वविद्यालय, ऐसे शैक्षणिक वातावरण के निर्माण हेतु अग्रसर है, जिसमें पुरानी व नई सोच का सामंजस्य है।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से प्राप्त "ए" ग्रेड और कई विभागों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) से "स्पेशल असिस्टेन्स प्रोग्राम (सैप) का दर्जा मिलने से, इस विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ी है। यह विश्वविद्यालय निकटवर्ती आदिवासी अंचलों की शैक्षणिक प्रगति और विकास में भी सराहनीय भूमिका निभा रहा है।

मूल्यपरक-नीतिगत शिक्षा एवं राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे, व्यापक शैक्षणिक सुधारों से जुड़कर विश्वविद्यालय ने, भाषा, प्रबन्धन, विधि, विज्ञान, पर्यावरण, पत्रकारिता, मीडिया, यांत्रिकी, तकनीकी, शारीरिक शिक्षा और योग के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ कर, विशिष्टता हासिल की है। यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर तैयार शिक्षा पद्धति और अकादमिक श्रेष्ठता के द्वारा छात्रों के समग्र विकास में अहम भूमिका निभा रहा है।

मुझे प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय ने आधुनिकतम शोध वृत्ति में विकास के साथ नवाचार युक्त, रोजगारोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था हेतु समुचित कार्यशैली को अपनाया है, जिससे इस विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर भी एक विशिष्ट छवि स्थापित हुई है।

मेरी छात्रों से भी अपेक्षा है कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग अपने स्वयं के जीवन को समृद्ध बनाने के साथ ही, देश और समाज हित के लिए भी करें।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ मेधावी और नवीन प्रतिभाओं के सृजन हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इस विश्वविद्यालय की सतत् उन्नति एवं विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य हेतु मेरी शुभकामनाएँ।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)